एम.पी.पी.सी.एस. मुख्य परीक्षा-2019
सामान्य अध्ययन (चतुर्थ प्रश्न-पत्र)
MPPCS Mains Paper-2019
General Studies
(Question Paper-IV)

M-2019/GS-IV

सामान्य अध्ययन GENERAL STUDIES

चतुर्थ प्रश्न-पत्र FOURTH PAPER

SECTION-A / खण्ड-अ

प्रश्न: 1. इस प्रश्न में 15 अतिलघुत्तरीय उप-प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 15 से 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है। **(15 × 3 = 45)**

Que.: 1. This questions contains 15 very short type sub-questions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All questions are compulsory. Each question carries 3 (three) marks.

प्रश्न: (1.1) शासन में मूल्यों के महत्त्व को बताएँ।
State the importance of values in Governance.

प्रश्न: (1.2) तुलसीदास के 'स्वान्तः सुखाय' की विशिष्टता समझाइये।
Discuss peculiarity of 'Swantah Sukhay' of Tulasidas.

प्रश्न: (1.3) भारत में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने वाले प्रमुख संस्थानों के नाम लिखें।
Name major institution to curb corruption in India.

प्रश्न: (1.4) सत्य एवं ईश्वर के संबंध में गांधीजी के विचार बताइये।
Describe Gandhian thought regarding Truth and God.

प्रश्न: (1.5) पारदर्शिता क्या है?
What is transparency?

प्रश्न: (1.6) जैन मतानुसार 'त्रिरत्न' किसे कहते हैं?
What is 'Triratna' as per Jainism?

प्रश्न: (1.7) उद्देश्य परक दृष्टिकोण से प्लेटो के विचार समझाइये।
Discuss ideas of Plato from teleological stand point.

प्रश्न: (1.8) अवाचिक संचार से आप क्या समझते हैं?
What do you mean by non-verbal communication?

प्रश्न: (1.9) पाश्चात्य शिक्षा के संबंध में स्वामी दयानन्द सरस्वती की अवधारणा समझाइये।
Discuss thoughts of Swami Dayanand Saraswati about Western Education.

प्रश्न: (1.10) नैतिक मार्गदर्शन किसे कहते हैं?
What is ethical guidance?

प्रश्न: (1.11) अन्तर्राष्ट्रीय पादर्शिता के बारे में लिखें।
Write about Transparency International.

प्रश्न: (1.12) सिविल सेवक को किन तीन सांवेगिक बुद्धि के आयामों को जानना चाहिए?
What three dimensions of emotinal intelligence that a civil servant should learn?

प्रश्न: (1.13) जबाबदेही के उपकरणों को लिखें।

Write the tools of accountability.

प्रश्न: (1.14) महात्मा बुद्ध के अनुसार प्रतीत्यसमुत्पाद को समझाइये।

Discuss Pratityasamutpada according to Mahatma Buddha.

प्रश्न: (1.15) दीन दयाल उपाध्याय के अनुसार अधिकार एवं कर्तव्य समझाइये।

Discuss Rights and Duties as per Deen Dayal Upadhyay.

SECTION-B / खण्ड-ब

प्रश्न: 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है। **(15 × 6 = 90)**

Que.: 2. Write the answer of any ten of the following questions in maximum 100 words. Each question carries 6 (six) marks.

प्रश्न: (2.1) स्वामी विवेकानन्द किस लिये जाने जाते हैं?

Why Swami Vivekanand is known for?

प्रश्न: (2.2) विसलब्लोअर सुरक्षा बिल, 2015 का महत्व तथा मूल प्रावधानों का वर्णन कीजिये।

Elaborate the significance and basic provisions of Whistleblower Protection Bill, 2015.

प्रश्न: (2.3) राजा राममोहन राय का समाज के लिये क्या योगदान है?

What is the contribution of Raja Rammohan Roy to the Society?

प्रश्न: (2.4) प्रशासन में नैतिक नेतृत्व के मुख्य गुण क्या-क्या होते हैं?

What are the basic attributes of ethical leadership in Administration?

प्रश्न: (2.5) सिविल सेवक के लिये कमजोर वर्गों के प्रति सहिष्णुता और संवेदना क्यों महत्त्वपूर्ण है?

Why is having tolerance and compassion towards the weaker section important for a Civil Servant?

प्रश्न: (2.6) 'कानून का शासन' सुशासन का एक आवश्यक अंग है। समझाइये।

'Rule of Law' is an essential component of good Governance. Explain.

प्रश्न: (2.7) स्वतंत्र आधुनिक भारत के इतिहास में डा. बी. आर. अम्बेडकर का क्या योगदान है?

What is the contribution of Dr. B.R. Ambedkar in the history of free modern India?

प्रश्न: (2.8) उधार देना, उधार देना तथा निजी व्यापार के संबंध में केंद्रीय असैनिक सेवा (आचरण) नियम क्या है?

What are the Central Civil Service (Conduct) Rule related to lending, borrowing and private trade?

प्रश्न: (2.9) भ्रष्टाचार को परिभाषित कीजिये तथा मूल्य प्रणाली से इसका संबंध बताइये। भारत में भ्रष्टाचार रोकने हेतु कानूनी ढांचे की सूची बनाइये।

Define corruption and its relation with value system. Enlist legal framework to fight against corruption in India.

प्रश्न: (2.10) कौटिल्य के अनुसार एक राजा के क्या-क्या कर्तव्य होते है?

What are the duties of a King according to Kautilya?

प्रश्न: (2.11) पूर्वाग्रह के निवारण की विधियाँ कौन-सी हैं?

What are the methods of removing prejudice?

प्रश्न: (2.12) दर्शन के इतिहास में डा. राधाकृष्णन का क्या योगदान है?

What is the contribution of Dr. Radhakrishnan in the history of Philosophy?

प्रश्न: (2.13) सांवेगिक बुद्धि की धारणा को स्पष्ट करिये।

Clarify the concept of Emotional Intelligence.

प्रश्न: (2.14) 'रामचति मानस' के अनुसार शासक की आदर्श भूमिका क्या है?

Waht is the ideal role of ruler according to 'Ramcharit Manas'?

प्रश्न: (2.15) अभिक्षमता अभिरुचि और बुद्धि से कैसे भिन्न है?

How aptitude is different from interest and intelligence?

प्रश्न: (2.16) अहिंसा का क्या महत्त्व है?

What is the importance of non-violence?

प्रश्न: (2.17) संचार की प्रक्रिया में सम्मिलित तत्त्वों का वर्णन कीजिये।

Describe the elements involved in the process of coummunication.

प्रश्न: (2.18) क्या व्यवहार सदैव व्यक्ति की अभिवृत्ति को प्रतिबिंबित करता है? एक प्रासंगिक उदाहरण देते हुए व्याख्या कीजिये।

Is behaviour always a reflection of one's attitude? Explain with a relevant examples.

SECTION-C / खण्ड-स

नोट : प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित हैं। प्रश्नों पर अंकों का वितरण क्रमशः प्रश्न क्रमांक (3) + (4) = अंक (30 + 35) = 65। इस प्रश्न में आंतरिक विकल्प है। अभ्यर्थी जिस आतंरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं, उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में अनिवार्यतः करें।

Note : Questions No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively Question No (3) + (4) = Marks (30 + 35) = 65. There is an internal option in this question. The answer to the internal option of the candidates is to be made explicitly before the answer.

प्रश्न: 3. पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषय-वस्तु पर आधारित प्रकरण: केस स्टडी-1 **(3 × 10 = 30)**

एक सरकारी अधिकारी के व्यवहार में नम्रता, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ अपने अधिकार का समुचित निर्वहन करने की दक्षता, सहयोग और सेवा भाव भी हो, तो यह चारित्रिक गुणों की सम्पन्नता उसे अधिकारी के साथ-साथ देश का श्रेष्ठ नागरिक बनाती है। विनम्र व्यवहार सबको सुख देता है। सामाजिक सद्भाव को बढ़ाता है। विनम्र व्यवहार अहंकार से रिक्त होकर ही किया जा सकता है। जिस प्रकार एक व्यक्ति समाज में रहकर अपने व्यवहार से कर्तव्य और अधिकार के प्रति सजग रहता है, उसी तरह देश के प्रति भी उसका व्यवहार कर्तव्य और अधिकार की भावना से भावित रहना चाहिए। उसका कर्तव्य बनता है कि न तो वह स्वयं कोई ऐसा काम करें और न ही दूसरों को करने दे जो देश हित में न हो। देश के सम्मान और संपत्ति की रक्षा सरकारी अधिकारी का परम दायित्व है।

Case studies based on the contents of syllabus : Case Study-1

In the behavior of a government official, with humility, honesty and devotion to duty, with the ability to properly discharge his authority, cooperation and service sense, the richness of these characteristics makes him an officer as well as a superior citizen of the country. Polite behavior brings happiness to all. Enhances social harmony. Elimination of ego is the path for polite

behavior. Just as a person stays aware of duty and authority by his behavior while living in society, similarly his behavior towards the country should be felt with a sense of duty and authority. It is his duty to neither do such a thing himself nor allow others to do something which is not in the interest of the country. Protecting the honor and property of the country is the ultimate responsibility of a government official.

उपर्युक्त प्रकरण के परिप्रेक्ष्य में प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्रत्येक प्रश्न का अधिकतम 150 शब्दों में उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रशन 10 (दस) अंकों का है।

Answer the following questions in the light of above mentioned case study.

Answer the each question in 150 words. Each question carries 10 (ten) marks.

प्रश्न: (3.1) व्यक्ति का विन्रम व्यवहार कैसे सबके लिये आवश्यक और सुखदायी होता है?

How is polite behaviour necessary and comfortbale for everyone?

प्रश्न: (3.1) विनम्र व्यवहार के लिये क्या आवश्यक है?

What is needed to behave courteously?

प्रश्न: (3.1) देश और समाज के प्रति एक सरकारी अधिकारी का व्यवहार और कर्तव्य कैसा होना चाहिए?

What should be the behaviour and duty of a government official towards the country and society?

प्रश्न: 3. **पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषय-वसतु पर आधारित प्रकरण: केस स्टडी-2** **(3 × 10 = 30)**

रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष ने आपको सम्बोधित पत्र में अपनी कालोनी में 'वायु-प्रदूषण' की स्थिति पर ध्यान आकृष्ट कराते हुए लिखा है। कालोनी के मुख्य द्वार पर जो कूड़ा-घर बना है उसकी गंध से आस-पास रहने वाले लोग परेशान हैं। पहले ही शहर में अंधाधुंध औद्योगीकरण से वायु-प्रदूषण में तेजी से वृद्धि हो रही है। कारखानों की चिमनियों से चौबीसों घंटे निकलने वाला धुआँ वातावरण को विषाक्त बना रहा है। सड़कों पर वाहनों की बढ़ती संख्या वायु-प्रदूषण को निरन्तर बढ़ा रही है। लोग साँस और फेफड़ों की बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। साथ ही शहर पर बढ़ती जनसंख्या वायु-प्रदूषण के लिये उत्तरदायी है। क्योंकि सुविधाओं के विस्तार के लिये वृक्षों का कटान जारी है, जो वायु-प्रदूषण के गुणात्मक रूप से बढ़ने का कारण बनेगा। आपको एक सक्षम अधिकारी के रूप में वृक्षों के संरक्षण के उपाय खोजने चाहिए। पर्यावरण की सुरक्षा के लिये अधिक से अधिक वृक्ष लगाना आवश्यक है। कालोनी वासियों के 'कूड़ा-घर' निस्तारण की दिशा में भी आवश्यक कार्यवाही करनी चाहिए।

Case studies based on the contents of syllabus : Case Study-2

The President of the Resident's Welfare Association has written to you in his letter, drawing attention to the situation of 'air pollution' in his colony. People living nearby are disturbed by the smell of the garbage house built on the main entrance of the colony. Already, indiscriminate industrialization in the city is leading to rapid increase in air pollution. Twenty-four hours of smoke coming from factories' chimneys are making the environment toxic. The increasing number of vehicles on the roads is increasing air pollution. People are suffering from respiratory and lung diseases. Also, the increasing population on the city is responsible for air pollution. Because tree pruning continues to expand facilities which will cause air pollution to increase qualitatively. You should find ways to conserve trees as a competent officer. To protect the environment plantation of more and more trees are necessary. Necessary action should also be taken in the direction of disposal of 'garbage house' of the colonies.

उपर्युक्त प्रकरण के परिप्रेक्ष्य में प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्रत्येक प्रश्न का अधिकतम 150 शब्दों में उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 (दस) अंकों का है।

Answer the following questions in the light of above mentioned case study :

Answer the each question in 150 words. Each question carries 10 (ten) marks.

प्रश्न: (3.1) महानगरों में वायु-प्रदूषण के प्रमुख कारण कौन-से हैं?

What are the main causes of air pollution in Metros?

प्रश्न: (3.2) बढ़ती हुई जनसंख्या का पर्यावरण का क्या प्रभाव पड़ता है? स्पष्ट कीजिये।

What is the impact of increasing population on the environment? Explain.

प्रश्न: (3.3) पर्यावरण की रक्षा के लिये क्या करना चाहिए?

What should be done to protect the enironment?

नोट : प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित हैं। प्रश्नों पर अंकों का वितरण क्रमश: प्रश्न क्रमांक (3) + (4) = अंक (30 + 35) = 65।

Note : Questions No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively Question No (3) + (4) = Marks (30 + 35) = 65.

प्रश्न: 4. **पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषय-वस्तु पर आधारित प्रकरण: केस स्टडी-3** **(5 × 7 = 35)**

21वीं सदी की विश्व अर्थव्यवस्था ज्ञान आधारित है। संचार तकनीक जिसकी संचालक शक्ति है। इसलिए विश्व जनशक्ति का सूचनात्मक आधारिक संरचना से परिचित होना जरूरी है, ठीक उसी तरह जैसे कि परिवहन तंत्र और कारों, रेलों, सड़कों व राजमार्गों से सुपरिचित है। विकसित अर्थव्यवस्था के लिए सर्वव्यापकता की व्यवस्था का मजबूत होना और संचार साधनों की सर्व-सुलभता व सुपरिचितता आवश्यक है। सूचना प्रौद्योगिकी आँकड़ों, सूचना संग्रह, सुरक्षा, परिवर्तन, आदान-प्रदान, अध्ययन आदि के कार्य निष्पादन हेतु कंप्यूटर के अनुप्रयोगों से संबंधित है। यह कंप्यूटर आधारित सूचना प्रणाली का आधार है जो मौजूदा समय में वाणिज्य और व्यापार का अभिन्न अंग बन चुकी है। अर्थव्यवस्था को ज्ञान आधारित दिशा में बढ़ा रही है, सम्पूर्ण वैश्विक अर्थव्यवस्था तेजी से 'ज्ञान अर्थव्यवस्था' में परिवर्तित हो रही है। इसलिए जो नियम-कायदे, कानून और क्रियाकलाप औद्योगिक अर्थव्यवस्था को चलाते थे, वे अब काम नहीं आयेंगे। नयी विश्व व्यवस्था को अब नए मानकों की आवश्यकता है।

Case studies based on the contents of syllabus : Case Study-3

The 21st century world economy is knowledge-based economy. Information technology is a driven force therefore, it is necessary to be familiar with the informational infrastructure of manpower just like the transport system, cars, rail, roads and highways. For developed economy, easy accessibility is a strong mode of communication and access and familiarity of communication tools is necessary. Information technology data, information related to applications of computers for the performance of collection, security, change, exchange, study etc. It is the basis of a computer-based information system that is currently an integral part of commerce and business that has currently being made. The economy is moving in a knowledge-based direction, the global economy is increasingly changing into 'knowledge economy'. Hence the rules, laws and activities of the industrial economy which used to run, will no longer work. The new world order now requires new standards.

उपुर्यक्त प्रकरण के परिप्रेक्ष्य में निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 07 (सात) अंकों का है।

Answer the following questions in the light of above mentioned case study in maximum 100 words each. Each question carries 7 (seven) marks.

प्रश्नः (4.1) उपर्युक्त विषय-वस्तु के मुख्य उद्देश्य को स्पष्ट कीजिये।

Explain the main purpose of the above content.

प्रश्नः (4.2) सूचना तकनीक के महत्व को स्पष्ट कीजिये।

Explain the importance of information technology.

प्रश्नः (4.3) यहाँ सर्वव्यापकता का क्या आशय है? स्पष्ट कीजिये।

What is the meaning of ubiquity? Explain.

प्रश्नः (4.4) आज कैसी जनशक्ति की जरूरत है? समझाइए।

Which kind of manpower is essential today? Explain.

प्रश्नः (4.5) 21वीं सदी में कैसी संचार प्रणाली का ज्ञान आवश्यक है? समझाइये।

Which kind of knowledge of communication system is essential in the 21st Century? Explain.